पाठ 3. बड़े भाई को पत्र

पाठ का उद्देश्य

परिवार के बड़े-बुज़ुर्ग, माता-पिता तथा भाई-बहन सदैव अपने से छोटों का सही मार्गदर्शन करते हैं। प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को यह समझाना है कि उन्हें अपने बड़ों की सलाह, आज्ञा-अनुमति अवश्य लेनी चाहिए क्योंकि बड़ों के आशीर्वाद की छाया में किए गए प्रत्येक काम का फल सुखदायी ही होता है।

पाठ का सारांश

भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ॰ राजेंद्र प्रसाद स्वाधीनता से पहले गोपाल कृष्ण गोखले जी की सर्वेंट्स ऑफ़ इंडिया सोसाइटी में सम्मिलित होना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने अपने बड़े भाई को पत्र लिखकर अनुमति माँगी थी। राजेंद्र प्रसाद जी रुपए-पैसे को तुच्छ वस्तु समझते थे। वे कहते थे कि लोग जितने धनी होते जाते हैं, उतनी ही उनकी आवश्यकताएँ भी बढ़ती जाती हैं। राजेंद्र प्रसाद जी की यही महत्त्वाकांक्षा थी कि वे देश-सेवा के काम आ सकें। वे देश-सेवा को ही सब कुछ मानते थे। राजेंद्र प्रसाद जी इस पत्र में अपने बड़े भाई से आग्रह कर रहे हैं कि वे अपनी सहमति दें, क्योंकि उनकी सहमति के बिना वह जीवन में कोई भी कार्य सफलतापूर्वक नहीं कर पाएँगे।

अध्यापन संकेत

पाठ आरंभ करने से पहले **पठन-पूर्व चर्चा** में पूछे गए प्रश्नों पर चर्चा करें। उसके पश्चात् बच्चों से पत्र का वाचन करवाएँ। उनसे इस पत्र से मिलने वाला संदेश पूछें। बच्चों को गोपाल कृष्ण गोखले तथा डॉ॰ राजेंद्र प्रसाद यादव के बारे में बताएँ। उन्हें बताएँ कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देश को आज़ाद कराने के लिए न जाने कितने ही त्याग किए थे।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें–

- बच्चों से पूछें, जिस तरह गोखले जी ने 'सर्वेंट्स ऑफ़ इंडिया सोसाइटी' बनाई, उसी प्रकार कुछ अन्य स्वतंत्रता सेनानियों ने भी स्वाधीनता आंदोलन के समय अपनी पार्टी अथवा दल बनाया था। उनके नाम बताइए।
- बच्चों को बताएँ कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने 'आज़ाद हिंद फ़ौज' का गठन किया था।
- क्या कभी ऐसा हुआ है कि आप कोई काम करना चाहते हो पर आपके घर के बड़े आपको उस काम की अनुमति नहीं दे रहे हैं। तब आप क्या करते हो? उन्हें मनाने का प्रयास करते हो, उनके समक्ष अपनी बात रखते हो अथवा मन मसोसकर रह जाते हो?
- क्या परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करना देश-सेवा करने के बराबर नहीं है? या फिर देश-सेवा तो करें परंतु अपने पारिवारिक दायित्वों को ताक पर रख दें, तब क्या ऐसी देश-सेवा सफल मानी जाएगी? आपकी दृष्टि में क्या दोनों बातें सही हैं अथवा कोई मध्य का मार्ग भी है? बताइए।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।